सांध्य दैनिक 4PM

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमीं हैं जो अपनी आंखों पर हांथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अन्धकार है।

–स्वामी विवेकानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 298 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 9 दिसम्बर, 2023

भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे एनगिडी, हेंड्रिक्स... 7 | इन दिग्गजों के लिए पांच राज्यों के... 3 | भाजपा की मोदी राज में चल रही... 2

सीएम की घोषणा न कर पाने को लेकर सियासी निशाने पर आई बीजेपी

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने उठाए सवाल

» भाजपा पर जमकर बरसे गहलोत

» अनुशासन को नहीं मानती भगवा पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सात दिन चुनावों के परिणाम के हो गए हैं पर भाजपा तीन राज्यों में बहुमत के बाद भी सीएम चेहरे पर फैसला नहीं ले पाई है। अब इसी मामले को लेकर वह विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस ने इस मामले में बीजेपी पर तंज कसते हुए का कि अनुशासन न होने की वजह से वह कोई फैसला नहीं ले पार ही है। कांग्रेस नेता व राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी में सबकुछ ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब लगभग सात दिनों से, वे (भाजपा) तीन राज्यों में सीएम चेहरों की घोषणा नहीं कर पाए हैं। अगर हमने भी ऐसा किया होता, तो न जाने वे हमारे खिलाफ क्या आरोप लगाते और लोगों को गुमराह करते। राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक हफ्ते बाद भी राज्य के अगले मुख्यमंत्री का नाम बताने में विफल रहने पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष किया।

कांग्रेस ऐसा करती तो सिर पर उठा लेते आसमान : गहलोत

गहलोत ने कहा कि अगर कांग्रेस ने इतने समय तक मुख्यमंत्री नहीं चुना होता तो वे (बीजेपी) खूब चिल्लाते। गोगामेडी मामले में, मुझे एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करना पड़ा जिसमें कहा गया था कि इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच पर कोई आपत्ति नहीं है। नये मुख्यमंत्री को यह करना चाहिए था। गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि अब सात दिन हो गए हैं, वे (बीजेपी) एक सीएम का चयन नहीं कर पाए हैं, मैं चाहता हूं कि वे जल्दी निर्णय लें। उन्होंने कहा चुनावों का ध्रुवीकरण किया... हम नई सरकार के साथ सहयोग करेंगे।

कई नामों पर चल रही है माथापच्ची

जैसे-जैसे भाजपा राजस्थान के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर आंतरिक विचार-विमर्श कर रही है, कई प्रमुख नाम इस पद के संभावित दावेदारों के रूप में उभर रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में सीएम को लेकर सिर फुटव्वल जारी । हालांकि पार्टी ने तीनों राज्यों में प्रर्यवेक्षक बना दिए है। ऐस माना जा रहा है कि सोमवार तो तीनों राज्य में सीएम के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। मरु प्रदेश में दो बार मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे, दीया कुमारी, जो विद्याधर नगर से विधायक चुनी गई है, महंत बालक नाथ, जो तिजारा निर्वाचन क्षेत्र से विजयी हुए,और झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से विजयी राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को शीर्ष दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर अटकलें जारी रहने के बीच, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में उनके आवास पर नड्डा से मुलाकात की। वहीं मप्र में शिवराज सिंह चौहान की चर्चा के बीच नरेन्द्र तोमर, प्रहलाद पटेल समेत कई नामों पर कयास चल रहे हैं। उधर तीसरे राज्य छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की जह किसी आदिवासी व महिला को कमान दी जा सकती है। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि भाजपा के विधायक दल की बैठक कल निर्धारित हुई है। 3 पर्यवेक्षक इस बैठक के लिए निर्धारित किए गए हैं जो विधायकों की बैठक लेंगे। अरुण साव छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और राज्य में पार्टी को जीत दिलाने में उनकी अहम भूमिका मानी जा रही है। पहली बार 2003 में जब भाजपा ने राज्य में चुनाव जीता था तो रमन सिंह प्रदेश अध्यक्ष थे और उन्हें ही सीएम बनाया गया था, इसलिए अब अरुण साव को लेकर भी यही अनुमान लगाया जा रहा है कि वह छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय भी ष्टरूपद की इस रेस में शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में महिला वोटरों ने इस बार भाजपा को बम्पर वोट दिए हैं और सरोज को भाजपा की महिला नेता का बड़ा चेहरा भी माना जाता है। यही कारण है कि सरोज पांडेय भी सीएम बनने की दावेदार हैं। लता को भाजपा का सबसे बड़ा आदिवासी चेहरा माना जाता है। लता 2003 में पहली बार विधायक बनीं थीं। लता भाजयुमो की भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। इन्हें लेकर भी ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री पद इन्हें दे सकती है।

महुआ के लोकसभा निष्कासन पर बवाल

नई दिल्ली। महुआ मोइत्रा की लोक सभा से निष्कासन पर सियासत गरमा गई है। जहां बीजेपी ने सही ठहराया हे वहीं कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने इसे गलत करार दिया है। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने महुआ मोइत्रा पर हुई कार्रवाई की विश्वकप के टाइम आउट से की तुलना करते हुए केंद्र पर तंज कसा है। राजद नेता मनोज झा व बसपा नेता दानिश अली भी बीजेपी को घेरा है। वहीं संसद की एथिक्स कमेटी की सदस्य अपराजिता सारंगी ने तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा के संसद से निष्कासन को लेकर कहा कि महुआ मोइत्रा का आचरण अनैतिक था। उनका संसद लॉगिन क्रेडेंशियल किसी ने 47 बार (कभी-कभी दुबई और अमेरिका से) उपयोग किया। 49 साल की मोइत्रा को आज निचले सदन में एथिक्स कमेटी द्वारा पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में पेश रिपोर्ट पर चर्चा के बाद लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। सदस्य अपराजिता ने कहा, उनका आचरण अनैतिक था और उन्हें संसद द्वारा इसी के लिए दंडित किया गया। ऐसा नहीं है कि उन्हें एक या दो व्यक्तियों द्वारा दंडित किया गया है। यह मामला संसद की स्थायी समिति के पास गया, शिकायतकर्ता और प्रतिवादी को सुना गया। उन्हें समय दिया गया था कि अपनी बात रखें जब वह समिति के सामने पेश हुईं तो बहुत गुस्से में थीं और उन्होंने कई असंसदीय बातें कहीं, यहां तक कि समिति के अध्यक्ष के खिलाफ भी सांसद के क्रेडेंशियल का इस्तेमाल किसी और ने किया था।

मोइत्रा का सांसद बने रहना उचित नहीं : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, यह सदन समिति के निष्कर्ष को स्वीकार करता है कि एक सांसद के रूप में सांसद महुआ मोइत्रा का आचरण अनैतिक और अशोभनीय था। इसलिए उनका सांसद बने रहना उचित नहीं है।

एथिक्स कमेटी ने हर नियम तोड़ा : मोइत्रा

वहीं महुआ मोइत्रा का कहना है कि एथिक्स कमेटी ने हर नियम तोड़ा और कहा कि कंगारू कोर्ट (सजा देने वाली गैर कानूनी अदालत) ने बिना सबूत के मुझे दंडित किया। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ पूरा मामला लॉगिन विवरण साझा करने पर आधारित है, लेकिन कोई नियम इसे नियंत्रित नहीं करता है। उन्होंने कहा कि नकदी या उपहार का कोई सबूत नहीं है, एथिक्स पैनल ने मुद्दे की जड़ को जाने बिना मुझे फांसी पर लटकाने का फैसला किया। तृणमूल ने अपने सांसद के खिलाफ कार्रवाई को अति सक्रियता और लोकसभा में भाजपा द्वारा अपने प्रचंड बहुमत के इस्तेमाल का प्रदर्शन बताया है।

हस्ताक्षर पर लेखी व चतुर्वेदी में तकरार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने संसद में स्पष्ट किया कि उन्होंने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के सवाल वाले किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। केंद्रीय मंत्री की यह प्रतिक्रिया हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने की एक कथित फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आई है, इसके लेकर उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और पीएमओ इंडिया को भी टैग करते हुए एक ट्वीट किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए मीनाक्षी लेखी ने कहा, आपको गलत जानकारी दी गई है। मैंने इस सवाल और जवाब वाले किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इस बीच, शिव सेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मीनाक्षी लेखी के स्पष्टीकरण का जवाब दिया। प्रियंका चतुर्वेदी ने मीनाक्षी लेखी की प्रतिक्रिया पर चिंता जताई और कहा, मीनाक्षी लेखी जी उनके द्वारा दी गई प्रतिक्रिया से इनकार कर रही हैं और इसे अलग कर रही हैं, उनका कहना है कि उन्हें इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि इसे प्रतिक्रिया के रूप में किसने तैयार किया है, क्योंकि उन्होंने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया।

भाजपा की मोदी राज में चल रही अघोषित तानाशाही : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने लगाया सरकार पर आरोप, विपक्ष की आवाज को कुचला जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज में अघोषित तानाशाही की प्रवृत्तियां साफ नज़र आ रही है। उन्होंने कहा कि जिस आधार पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वह सत्तापक्ष पर लागू हो तो शायद उनके एक-दो सांसद व विधायक बचेंगे। अखिलेश यादव ने कहा है कि विपक्ष के प्रति भाजपा नेतृत्व का विद्वेषपूर्ण रवैया पूर्णतया असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने विपक्ष की हर आवाज को कुचलने का इरादा कर लिया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उसे न विश्वास है और नहीं संविधान पर उसकी निष्ठा है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा राज में अघोषित तानाशाही की प्रवृत्तियां साफ नज़र आ रही है। उन्होंने कहा कि जिस आधार पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वह सत्तापक्ष पर लागू हो तो शायद उनके एक-दो सांसद व विधायक बचेंगे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाए कि भाजपा अपने विरोधियों की सदस्यता छीनने के कुचक्र के साथ उनको बदनाम करने के लिए सरकारी एजेंसियों, इनकम टैक्स, ईडी, सीबीआई आदि का इस्तेमाल करके इन संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी नष्ट कर रही है। इससे पहले उन्होंने कहा कि हाल के चुनावों के जो परिणाम आए हैं, उससे इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। ये परिणाम भाजपा के चिंता का विषय होना चाहिए। जनता का मूड परिवर्तन का है। कल जब केन्द्र सरकार के लिए चुनाव होगा तो जनता परिवर्तन क्यों नहीं चाहेगी? अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने लघु एवं मध्यम उद्योगों के हित में कुछ नहीं किया है। द्योगपतियों का 15 लाख करोड का बैंक कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज नहीं माफ किया।

कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व बसपा नेता शाहनवाज खान

लखनऊ। तीन राज्यों में करारी हार के बाद भी यूपी में दूसरी पार्टियों से नेताओं का कांग्रेस में आना जारी है। पूर्व सांसद स्व. सुरेन्द्र पाल पाठक के सुपुत्र व बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधानसभा हरदोई प्रत्याशी शोभित पाठक ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ले ली। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग में शाहनवाज खान को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने उन्हें नियुक्ति पत्र दिया।

संक्षिप्त खबरें

आतिशी को मिला कानून विभाग का प्रभार

दिल्ली। कानून एवं न्याय विभाग से जुड़ी फाइलों को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश के एक दिन बाद दिल्ली सरकार ने विभागों में बड़ा फेरबदल किया। दिल्ली सरकार की सिफारिश पर यह विभाग कैलाश गहलोत से लेकर आतिशी को सौंप दिया गया है। वहीं, आतिशी से महिला एवं बाल विकास विभाग लेकर कैलाश गहलोत को दिया गया है। दिल्ली सरकार के अधिकारियों का कहना है कि शहर में न्यायिक बुनियादी ढांचे और प्रशासन के मुद्दे कई माह तक मंत्री के पास लंबित रहे। इसे लेकर हुए विवाद के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने एलजी कार्यालय को पत्र लिखकर आतिशी को कानून मंत्रालय का प्रभार सौंपने की सिफारिश की। दिल्ली सरकार की इस सिफारिश को एलजी ने मंजूरी दे दी। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था। जून में आतिशी को राजस्व, योजना और वित्त विभागों का प्रभार दिया गया था। ये विभाग पहले कैलाश गहलोत के पास ही थे। नए बदलाव के बाद कैलाश गहलोत के पास परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ही बचा है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने लगाया प्रजा दरबार

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री का पद संभालने के एक दिन बाद ए. रेवंत रेड्डी ने अपने कैंप कार्यालय-सह-आधिकारिक आवास पर 'प्रजा दरबार आयोजित किया और आम लोगों की शिकायतें सुनीं और जल्द से जल्द उनका समाधान करने का वादा किया। लोग 'प्रजा दरबार के लिए ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में बड़ी संख्या में मौजूद थे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने दिव्यांग व्यक्तियों से अभ्यावेदन प्राप्त करने को प्राथमिकता दी और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल उपाय किए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री बाद में एक बैठक में भाग लेने के लिए सचिवालय के लिए रवाना हो गये।

राहुल गांधी से पूछना चाहिए ये मोहब्बत की कौन सी दुकान है: रविशंकर

नई दिल्ली। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के घर और कार्यालयों पर आयकर विभाग की छापेमारी चल रही है। उनके घर से आयकर विभाग को 300 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से पूछना चाहिए कि ये मोहब्बत की कौन सी दुकान है। कांग्रेस के एक सांसद से जुड़े परिसर से 200 करोड़ रुपए मिले हैं। भ्रष्टाचार की मूर्ति है कांग्रेस पार्टी। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के घर और कार्यालयों पर आयकर विभाग की छापेमारी बीते 72 घंटों से भी अधिक समय से जारी है।

भीतरघात की वजह से हार रही कांग्रेस : लक्ष्मण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद सियासत जारी है। कांग्रेस नेता प्रदेश से लेकर दिल्ली तक हार के कारणों की समीक्षा कर रहे है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह हार को लेकर ईवीएम पर सवाल उठा रहे है। अब उनके भाई लक्ष्मण सिंह ने फिर बड़ी बात कही है। लक्ष्मण सिंह ने लिखा कि कांग्रेस के सर्वे में मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीत रही थी। सही भी था, दुर्भाग्यवश सर्वे में भीतरघात कहां कहां होगा यह आंकलन नहीं हो सकता। उन्होंने आगे लिखा कि वर्षों से कांग्रेस की हार का मुख्य कारण यहीं है।

बता दें लक्ष्मण सिंह के भाई और दिग्विजय सिंह कांग्रेस की हार का कारण ईवीएम को बता रहे है। कांग्रेस के सर्वे में मध्य प्रदेश में कांग्रेस जीत रही थी।सही भी था, दुर्भाग्यवश सर्वे में भीतरघात कहां कहां होगा यह आंकलन नहीं हो सकता। यही मुख्य कारण है वर्षों से कांग्रेस की हार का! बता दें चाचौड़ा से पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह भाजपा की युवा प्रत्याशी प्रियंका मीणा से 60 हजार से ज्यादा मतो से चुनाव हार गए। बता दें लक्ष्मण सिंह ने इससे पहले भी पोस्ट किया था कि हम ईवीएम को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया में सवाल कर रहे है, लेकिन अब तक कानून का सहारा क्यों नहीं किया?

जनहित की योजनाओं को रोका न जाए : आप

» फिर एकबार आमने-सामने केजरीवाल व केंद्र सरकार

» 'फरिश्ते योजना' का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार की फरिश्ते दिल्ली के योजना का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केजरीवाल सरकार फरिश्ते योजना में रोड एक्सीडेंट पीड़ितों का इलाज फ्री करवाती थी। स्वास्थ्य सचिव दीपक कुमार ने एक साल से इस योजना को बंद किया है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि जनहित में योजना को फिर से शुरू करवाया जाए। दिल्ली सरकार ने कहा कि स्वास्थ्य सचिव पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एलजी और स्वास्थ्य सचिव को नोटिस जारी किया है। योजना के लिए धन जारी करने की मांग से संबंधित दिल्ली सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एलजी और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को मुफ्त इलाज प्रदान किया जाता है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय और अन्य को नोटिस जारी किया है। पीठ ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि सरकार का एक धड़ा दूसरे धड़े के साथ लड़ रहा है। दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर प्रकाश डाला कि इस योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं के 23,000 पीड़ितों को निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज मुहैया कराया गया है। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, सरकार लिखती रहती है और भीख मांगती रहती है। एलजी भुगतान रोक देते हैं। उपराज्यपाल के अधीन स्वास्थ्य कैसे है? यह पूरी तरह से समाज कल्याण है और इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है। फरिश्ते दिल्ली के योजना व्यक्तियों को सड़क दुर्घटनाओं में शामिल लोगों की सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

लोकप्रिय है फरिश्ते योजना

इस योजना की शुरुआत दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों की जान बचाने के मकसद से हुई थी। जिसे केजरीवाल सरकार ने 2018 में शुरू किया था। जिसके तहत कोई भी शख्स सड़क हादसे में घायल होता है तो उन्हें निजी अस्पताल में इलाज की सुविधा मिलती है। इसका पूरा खर्चा दिल्ली सरकार उठाती है।

पीएम ने दी सोनिया को जन्मदिन की बधाई

» मोदी बोले- भगवान आपको लंबी उम्र दे

» 77वां जन्मदिन मना रहीं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा और पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी का आज 77वां जन्मदिन है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दी। एक्स पर पीएम मोदी ने सोनिया गांधी के जन्मदिन पर बधाई के अलावा लंबी उम्र और स्वस्थ जिंदगी की भी कामना की। मोदी के अलावा मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन समेत तमाम नेताओं ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि सोनिया गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। बता दें कि मोदी की ये शुभकामनाएं ऐसे समय में आई हैं जब हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को तीन हिंदी भाषी राज्यों में हार का सामना करना पड़ा है और अगले लोकसभा चुनाव भी सिर्फ छह महीने ही दूर हैं। उधर पूरे दे श में कांग्रेस कार्यालयों में श्रीममी गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने गरीबों व अस्पतालों में जाकर मरीजों को फल व अन्य सामग्री वितरित किए। कांग्रेस शासित राज्यों में भी कई कार्यक्रम किए गए।

साहस, धैर्य और निस्वार्थ बलिदान वाली नेता: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं देने के लिए एक्स का सहारा लिया। खड़गे ने उन्हें हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली करार दिया। खरगे ने लिखा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष को बधाई को उनके जन्मदिन पर बधाई। हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों की अथक वकालत करने वाली, वह साहस, धैर्य और निस्वार्थ बलिदान के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझते हुए अत्यंत कृपा की प्रतीक रही हैं। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

यूपीए सरकार की हैं वास्तुकार : वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने भी सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और समाज के गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनकी सराहना की। वेणुगोपाल ने लिखा कि सी. पी. पी. अध्यक्ष सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन पर बधाई! सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाज के गरीब और हाशिए के वर्गों के उत्थान ने एक अरब दिल जीते हैं। सोनिया गांधी की राजनीतिक यात्रा के बारे में कांग्रेस नेता ने कहा, उनकी जीवन यात्रा हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कांग्रेस को एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान बड़ी शिष्टता के साथ आगे बढ़ाया और यूपीए सरकार की वास्तुकार थीं, जिसने सभी के लिए कल्याण और देश के लिए तेजी से विकास किया।

इन दिग्गजों के लिए पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के क्या हैं मायने

» इन नेताओं के न उम्र साथ में न वक्त है हाथ में

» अंत की ओर गहलोत और कमलनाथ का सियासी सफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों से एक ओर जहां भाजपा के खेमे में खुशी की लहर छाई हुई है। तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के लिए ये नतीजे मंथन करने वाले हैं। क्योंकि इन 2024 का लोकसभा चुनाव सर पर है। ऐसे में कांग्रेस को जल्द ही इन नतीजों पर मंथन करके इस नतीजे पर पहुंचना होगा कि उससे चूक कहां हुई है। साथ ही अपनी भूल को समय रहते सुधारना भी होगा। वर्ना बहुत देर हो जाएगी और राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ की तरह 2024 का लोकसभा चुनाव भी हाथ से फिसल जाएगा। लेकिन सिर्फ चाहने से कुछ नहीं होगा, बल्कि 24 में सफलता पाने के लिए कांग्रेस और उसके नेताओं को काफी मेहनत करना पड़ेगी। तभी उन्हें वो सफलता मिल सकती है, जिसकी उम्मीद कांग्रेस 2024 में लगाए बैठी है।

फिलहाल भाजपा इन नतीजों से गदगद है। इन पांच राज्यों के नतीजों ने देश की सियासत में काफी कुछ बदलाव किया है। ये नतीजे महत्वपूर्ण इसलिए भी हैं क्योंकि इन नतीजों के लगभग पांच महीने बाद ही देश के अंदर लोकसभा चुनाव भी होने हैं। इसलिए ये नतीजे न सिर्फ राजनीतिक दलों बल्कि कई दिग्गज नेताओं के लिए भी काफी महत्वपूर्ण हैं। खासकर उन दिग्गजों के लिए जो इन चुनावों में शामिल थे और जो दिग्गज इन नतीजों से प्रभावित हुए हैं। ये नतीजे कई नेताओं के लिए तो भविष्य की नई राह दिखा गए। लेकिन कई नेता ऐसे भी हैं जिनके लिए ये नतीजे उनका भविष्य निर्धारित कर सकते हैं। ये नतीजे ही ये तय करेंगे कि अब इन दिग्गजों का क्या होगा? इस फेहरिस्त में जो दिग्गज हैं वो अपने-अपने राज्य के टॉप लीडर्स हैं। तो वहीं इन दिग्गजों के भविष्य पर सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि अब न तो उम्र इनके साथ है और न ही वक्त इनके पास है।

क्योंकि ये दिग्गज या तो 70 के हो चुके हैं या फिर 70 के करीब खड़े हैं। ऐसे में अगले पांच साल तक इनका क्या होगा और पांच साल बाद ये अपने जीवन और राजनीतिक सफर में कहां पर होंगे। ये कह पाना हर किसी के लिए काफी मुश्किल है। यही वजह है कि अब ये एक सोचनीय विचार बन गया है कि आखिर इन दिग्गजों का भविष्य क्या है और ये नतीजे इन दिग्गजों के लिए क्या संदेश लेकर आए हैं। इन नेताओं में राजस्थान के अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे से लेकर मध्य प्रदेश में कमलनाथ व शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ में रमन सिंह और तेलंगाना में केसीआर तक शामिल हैं। इन सभी नेताओं के सामने इन नतीजों के बाद सवाल ये ही है कि अब क्या? वैसे तो इस फेहरिस्त में वसुंधरा राजे, रमन सिंह और शिवराज सिंह चौहान का नाम नहीं होना चाहिए। लेकिन इस बार भाजपा के सामने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ तीनों ही राज्यों में सीएम उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है और अब ये ही पार्टी के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा इस बार इन दिग्गजों को मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर करना चाह रही है। इसीलिए जितनी आराम से भाजपा ने इन राज्यों में सरकार बना ली है। इन राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन करना पार्टी के लिए उतना ही मुश्किल साबित हो रहा है। क्योंकि सरकार बनने के बाद भी इन तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर रैंच मची हुई है। और कई दावेदार सामने आ रहे हैं। ऐसे में भाजपा के लिए चुनाव जीतने के बाद भी इन राज्यों में अभी चुनौती कम नहीं हुई है।

गहलोत की सियासी पारी का अंत!

वहीं दूसरी ओर राजस्थान से कांग्रेस के दिग्गज और अब तक सीएम रहे अशोक गहलोत के सामने भी ये ही चुनौती है। क्योंकि अब कांग्रेस की हार के बाद गहलोत की सीएम की कुर्सी तो चली ही गई। वहीं इसी सीएम की कुर्सी के चक्कर में गहलोत साहेब ने कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी गंवा दिया। साथ ही अपने प्रदेश में ही अपनों से भी दुश्मनी मोल ले ली। क्योंकि कुर्सी के चक्कर में ही वो लगभग पूरे पांचों साल अपनी ही पार्टी के सचिन पायलट से लड़ते रहे। राजस्थान में बीते 5 सालों में अशोक गहलोत ने सचिन पायलट से अदावत के बीच ही सरकार चलाई थी। इस अदावत का असर इन विधानसभा चुनावों में भी साफ दिखाई दिया। अब नतीजे सामने हैं और अशोक गहलोत सत्ता से बेदखल हो चुके हैं। गहलोत की उम्र की बात करें तो वो इस समय 73 साल की उम्र पर पहुंच चुके हैं और सचिन पायलट को हाईकमान ने जिस इंतजार की बात कही थी। वह शायद 5 साल बाद पूरा जाएगा। ऐसे में अशोक गहलोत राजस्थान या फिर केंद्र में कांग्रेस में किस भूमिका में होंगे। यह बड़ा सवाल है। माना जा रहा है कि उनकी सियासी पारी को अब विराम लग सकता है। हालांकि, एक उम्मीद अभी इस बात की है कि गहलोत अब 24 के लोकसभा चुनाव में ताल ठोंक सकते हैं। लेकिन उसका फायदा भी तभी मिलेगा जब 24 में कांग्रेस या इंडिया गठबंधन सत्ता में आए। वर्ना विपक्ष का सांसद और विधायक होने में कोई अलग बात नहीं है।

70 वर्ष की वसुंधरा का क्या होगा?

क्योंकि अगर राजस्थान की बात करें तो भाजपा ने इस बार प्रदेश में किसी को भी सीएम फेस नहीं बनाया था। प्रदेश में पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा मानी जाने वाली और पूर्व मुख्यमंत्री रहीं वसुंधरा राजे को इस बार पार्टी ने सीएम फेस नहीं घोषित किया था। यहां तक की शुरूआत में तो उन्हें साइडलाइन भी किया गया था। हालांकि, बाद में पार्टी ने उन्हें थोड़ी तवज्जो दी। लेकिन चुनाव पीएम मोदी के ही फेस पर लड़ा और राज्य में पार्टी ने 115 सीटों पर अपना कब्जा जमाया और अब सरकार बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लेकिन अब पेंच फंसा है मुख्यमंत्री को लेकर। इस बार राजस्थान में सीएम पद को लेकर कई नाम चर्चा में हैं। इनमें महंत बालकनाथ, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, दीया कुमारी और सतीश पूनिया जैसे नेता चर्चा में हैं। ऐसे में वसुंधरा राजे के भविष्य को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। उन्होंने खुद चुनाव प्रचार के दौरान अपने बारे में कयास पैदा कर दिए थे। जब उन्होंने कहा था कि उनके बेटे दुष्यंत सिंह सांसद के तौर पर अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें झालावाड़ को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। वसुंधरा राजे की उम्र भी अब 70 साल हो चुकी हैं। ऐसे में उनकी उम्र भी उन्हें सीएम की कुर्सी से दूर रख सकती है। वहीं दूसरी ओर बालकनाथ जैसे नेता भी काफी तेजी दिखा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वसुंधरा राजे भी लगातार दिल्ली के चक्कर लगा रही हैं। साफ है कि वसुंधरा भी अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही हैं। ऐसे में सवाल ये ही कि अगर वसुंधरा राजे सीएम नहीं बनती हैं। तो आगे उनके लिए क्या अवसर होंगे, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि जाहिर है कि भाजपा उन्हें पहले ही साइडलाइन कर रही है।

रमन सिंह के सामने हैं क्या विकल्प

छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने राजस्थान और एमपी की तरह ही बिना किसी सीएम फेस के चुनाव लड़ा था। इसके बाद भी चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। तो क्रेडिट पीएम मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को ही दिया जा रहा है। इस बीच सवाल यह भी है कि 15 सालों तक सीएम रहे रमन सिंह का अब क्या होगा। उनका नाम सीएम के लिए भी चर्चा में है। लेकिन पीएम मोदी जिस तरह से नए प्रयोग करते रहे हैं। उसे देखते हुए उनकी भूमिका को लेकर कयास भी खूब हैं। फिलहाल उनके लिए राह बहुत आसान नहीं लगती क्योंकि रमन सिंह की उम्र भी 71 साल हो चुकी है।

कमलनाथ का हो सकता है सियासी संन्यास

जो हाल राजस्थान में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का है। वो ही हाल कमोबेश मध्य प्रदेश में कमलनाथ और शिवराज सिंह चौहान का है। इन दोनों के सामने भी कुछ इसी तरह की समस्या खड़ी है। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कमलनाथ को ही आगे करके चुनाव लड़ा था। वह पूरे कैंपेन में सबसे आगे रहे। लेकिन नतीजा बेहद निराशा करने वाला रहा है। कमलनाथ अब 77 साल के हो चुके हैं। ऐसे में चुनाव में मिली हार के बाद अब कमलनाथ का भविष्य आगे क्या होगा और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व में उनकी भूमिका आने वाले वक्त में क्या होगी। ये कहना हर किसी के लिए काफी मुश्किल है। कुछ वक्त पहले उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की भी चर्चा थी। लेकिन उन्होंने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। ऐसे में अब उनके लिए कांग्रेस में क्या भूमिका होगी। यह कहना मुश्किल है। इसके अलावा पार्टी में दिग्विजय सिंह और उनके खेमे के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो सकता है।

फिर मामा को मिलेगी सीएम की कुर्सी!

कमलनाथ जैसा ही हाल शिवराज सिंह चौहान का भी है। हां, बस फर्क इतना है कि वो विपक्ष में हैं और शिवराज सिंह चौहान सरकार में। कहने को भाजपा कुछ भी कहे लेकिन असल मायनों में एंटी गवर्नमेंसी के बावजूद मिली ये जीत शिवराज सिंह चौहान और उनकी लाडली बहना योजना की जीत है। इसलिए भाजपा को शिवराज को इसका ईनाम भी देना चाहिए और उन्हें एक बार फिर सीएम की कुर्सी पर बिठाना चाहिए। लेकिन जिस तरह से भाजपा शिवराज को चुनाव से पहले साइडलाइन कर रही थी और उनका विकल्प तलाश रही थी। उसको देखकर कुछ भी कहना मुश्किल लग रहा है। ऐसे में अगर भाजपा ने शिवराज को सीएम नहीं बनाया तो शिवराज का भविष्य क्या होगा ये बड़ा सवाल है। हालांकि, 2024 को देखते हुए संभव है कि पार्टी रिस्क न ले और शिवराज को सीएम की कुर्सी फिरसे थमा दे।

केसीआर बेटे को सौंपेंगे अपनी विरासत...

तेलंगाना के गठन के लिए आंदोलन चलाने वाले केसीआर को 10 साल बाद सत्ता से बेदखल होना ही पड़ गया। और उन्हें सत्ता से बाहर भी किया है जिस कांग्रेस को तोड़कर वो आए हैं उसी कांग्रेस ने। इस चुनाव में केसीआर की हालत तो ये हो गई कि उन्हें खुद अपनी ही सीट पर मात झेलनी पड़ी और प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता मिली है। 69 साल के केसीआर 10 साल सीएम रहे हैं और अब अगली बार चुनाव तक उनकी उम्र 74 होगी। ऐसे में यह देखना होगा कि आगे की लड़ाई के लिए वह बेटे को तैयार करते हैं या फिर खुद राष्ट्रीय राजनीति की ओर रुख कर बेटे को राज्य में मौका देंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विपक्षी सांसदों की सदस्यता जाना एक नई रिवाज...

"साल 2019 के बाद यानी बीजेपी के दूसरे कार्यकाल में राज्यसभा में विपक्षी के करीब 45 प्रतिशत सांसदों को निलंबन का सामना करना पड़ा। इस साल तो लगभग संसद के हर सत्र के दौरान ही लोकसभा या राज्यसभा से विपक्ष के एक न एक सांसद का निलंबन हुआ है।

आजकल संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। ये संभवत- मोदी सरकार के इस कार्यकाल का अंतिम सत्र है। ऐसे में सरकार इस सत्र में ज्यादा से ज्यादा विधेयकों को पास कराना चाह रही है, तो वहीं विपक्ष कई मुद्दों पर चर्चा चाहता है। लेकिन इस सत्र में भी कल कुछ ऐसा हुआ जो पिछले कुछ सत्रों से मोदी सरकार की रिवाज बन गया है। ये रिवाज है संसद के विपक्ष के सांसदों की सदस्या रद्द करना और उन्हें संसद से बाहर का रास्ता दिखलाना। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि आंकड़े भी कहते हैं। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी के कार्यकाल में अब तक दोनों सदनों को मिलाकर 141 बार सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। वहीं अगर लोकसभा की बात करें तो पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में 93 बार सांसदों को निलंबित किया गया। जिसमें कुल 85 सांसद शामिल हैं। कुछ सांसदों का निलंबन एक बार से ज्यादा भी हुआ है। वहीं राज्यसभा में 2014 से 2023 के दौरान यानी पीएम मोदी के कार्यकाल में कुल 48 बार सांसदों के निलंबन की कार्यवाही हुई है।

इस दौरान नरेंद्र मोदी सरकार में अलग-अलग समय पर कुल मिलाकर 10 बार निलंबन की कार्रवाई राज्यसभा स्पीकर ने की है। साल 2019 के बाद यानी बीजेपी के दूसरे कार्यकाल में राज्यसभा में विपक्षी के करीब 45 प्रतिशत सांसदों को निलंबन का सामना करना पड़ा। इस साल तो लगभग संसद के हर सत्र के दौरान ही लोकसभा या राज्यसभा से विपक्ष के एक न एक सांसद का निलंबन हुआ है। फिलहाल अब इस फेहरिस्त में एक और विपक्षी सांसद का नाम जुड़ गया है जिन्हें मोदी सरकार के कार्यकाल में सदन से बाहर किया गया भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल के संभवत: अंतिम सत्र में भी एक विपक्षी सांसद का निलंबन हो चुका है। हालांकि, अभी सत्र बाकी भी है। जिन सांसद का निलंबन हुआ है वो कोई और नहीं बल्कि कैश फॉर क्वेरी मामले में फंसी तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा हैं। महुआ मोइत्रा को कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश होने के बाद लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया है। हालांकि, महुआ के निलंबन पर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया है और इसे बदले से प्रेरित कार्यवाही भी करार दिया। लेकिन हर बार की तरह, विपक्ष इस बार भी सिर्फ हंगामा ही करता रहा और लोकसभा अध्यक्ष ने अपना काम कर दिया। फिलहाल, ये सब तो कहने की बातें हैं। महुआ मोइत्रा समेत पूरे विपक्ष को पता ही था कि जिस तरह से महुआ मोदी सरकार से सवाल पूछती आ रही थीं और उसके बाद जब वो इस मामले में फंसी, तो हर कोई जान गया था कि इसका परिणाम महुआ को अपनी सदस्या से हाथ धोना ही पड़ेगा, और वो ही हुआ भी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीत-हार के बीच कुछ अनुत्तरित प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव के 'सेमीफाइनल' का नतीजा सामने है। भारतीय जनता पार्टी को इन चार राज्यों के चुनाव में अप्रत्याशित जीत मिली है। लगभग सारे चुनावी अनुमानों को गलत साबित कर दिया है इन परिणामों ने। राजनीति के पंडित हिसाब लगाने में लगे हैं, कुछ दावे कर रहे हैं, उन्होंने तो पहले ही कह दिया था, कुछ इसे भाजपा के राजनीतिक कौशल का परिणाम बता रहे हैं, कुछ विपक्ष की गलत रीति-नीति को दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ भी कहें पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा काम आया है। कई कारण गिनाये जा सकते हैं चुनाव के नतीजों के संदर्भ में, पर यह एक हकीकत है कि प्रधानमंत्री ने सारा प्रचार-कार्य कुछ इस तरह से किया कि अगर जीत होती है तो यश उनकी ही झोली में पड़े। यही अब कहा भी जा रहा है।

मोदी है तो मुमकिन है का नारा बार-बार दुहराया जा रहा है। 'मोदी की गारंटी' के जादू का झंडा कुछ इस तरह से फहराया जा रहा है जिससे लगे कि जीत के नायक वही हैं। और इसमें कुछ गलत भी नहीं है। इस सेमीफाइनल के परिणाम कुछ और होते तो कम से कम विपक्ष उन्हें 'कारक' कहने-बताने में चूकता नहीं। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए विश्व कप मुकाबले के उदाहरण को सामने रखें तो यह कहा जा सकता है कि यह कतई जरूरी नहीं है कि फाइनल का परिणाम भी वही हो जो सेमीफाइनल का रहा है। वर्ष 2024 में होने वाले आम चुनाव को इस सेमीफाइनल के संदर्भ से नहीं आंका जा सकता। बहरहाल, अब राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से चुनावी नतीजों का विश्लेषण करेंगे आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे। जीतने वाले मतदाताओं का आभार व्यक्त करेंगे, और हारे हुए स्वयं को यह आश्वासन देंगे कि आगे मतदाता ऐसी 'गलती' नहीं करेंगे। विश्लेषण तो हर चुनाव परिणाम का होना चाहिए। अब भी होगा। पर एक बात जो इस बार स्पष्ट उभर कर सामने आयी है, वह यह है कि राजनीतिक दल यह मानकर नहीं चल सकते कि मतदाता उनकी बात पर भरोसा करेगा ही।

न ही यह माना जा सकता है कि मतदाता को हमेशा भरमाया जा सकता है। इसी तरह, इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि हमारे यहां जिस तरह का चुनाव-प्रचार होता है, या फिर मतदाता को रिझाने की जिस तरह से

कोशिशें होती हैं, वह जनतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से कितनी सही हैं? इन चुनाव में हमने देखा कि वादे और दावे तो हुए ही, एक नया शब्द भी ईजाद किया गया गारंटी। वैसे तो वादा भी गारंटी ही होना चाहिए, पर इस बार चुनाव-प्रचार में इस शब्द पर विशेष जोर दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने शायद सबसे पहले यह शब्द काम में लिया था, फिर प्रधानमंत्री ने इसे 'मोदी की गारंटी' कह कर और ज्यादा पुख्ता बनाने की कोशिश की। भले ही यह किसी ने नहीं बताया कि कथित गारंटी पूरी करने का आधार क्या होगा, पर लगता है, गारंटी का जादू काम कर गया। चुनाव-प्रचार की एक और बात जिस पर गौर किया जाना जरूरी है, वह यह है कि इस बार उन मुद्दों की बात बहुत कम हुई जिन्हें जिंदगी के जरूरी मुद्दे कहा जाता है। मसलन गरीबों की बात को 'वैश्विक अर्थव्यवस्था' की आकर्षक शब्दावली से ढकने की कोशिश हुई। यूं कहने को प्रधानमंत्री ने यह अवश्य कहा कि वे सिर्फ गरीबी को ही जाति मानते हैं, पर जोर उनका इस बात पर भी रहता था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हमारा भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही हम 'विकसित देशों' की श्रेणी में आ जाएंगे। तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। मतदाता को किसी ने यह बताने की जरूरत नहीं समझी कि पांचवीं या तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का मतलब क्या होता है? मतदाता को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह पूछना चाहिए कि पांचवें से तीसरे नंबर तक आने से उसकी दो जून की रोटी सुरक्षित हो जाएगी? विडंबना तो यह है कि आज एक ओर विकसित देश बनने के वादे किये जा रहे हैं और दूसरी ओर अस्सी करोड़ भारतवासियों को मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था से घिरे हैं हम!

इन चुनावों के प्रचार के दौरान न विपक्ष यह पूछ रहा था और न ही सत्तारूढ़ पक्ष यह बताना जरूरी समझ रहा था कि वैश्विक गरीबी सूचकांक के अनुसार हमारी सोलह प्रतिशत आबादी के गरीब होने के कारण क्या हैं? इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि वैश्विक भूख सूचकांक की 123 देशों की सूची में भारत का स्थान 107वां है। चुनाव-प्रचार के दौरान इसकी भी चर्चा कहीं सुनाई नहीं दी। गरीबी की तरह ही बेरोजगारी का मुद्दा भी कुल मिलाकर अनसुना ही रहा। विपक्ष के भाषणों में यह शब्द कभी-कभी सुनाई दे जाता था, पर इसे उस ताकत से नहीं उठाया गया जितनी ताकत से उठाया जाना चाहिए था।

धरती को सूर्य की विस्फोटक तरंगों से खतरा

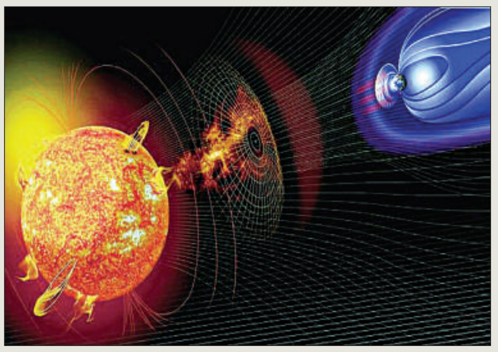

मुकुल व्यास

सूरज की सतह पर ज्वालाओं और प्लाज्मा के विस्फोट से निकलने वाली प्रचंड ऊर्जा सौर तूफान को जन्म देती है। इन्हें भू-चुंबकीय तूफान भी कहते हैं। यदि सूरज पर विस्फोट पृथ्वी की दिशा में होता है तो ऊर्जावान कणों की विशाल मात्रा पृथ्वी के चुंबक मंडल में गड़बड़ी उत्पन्न करती है। सूरज से उठने वाला सौर तूफान पृथ्वी के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। अमेरिका जैसे देश सौर तूफान के विनाशकारी प्रभावों से इतने ज्यादा चिंतित हैं कि उन्होंने अभी से इससे निपटने के लिए आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। हमारी पृथ्वी अतीत में सौर तूफानों को झेल चुकी है। पिछला सबसे बड़ा सौर तूफान सितंबर, 1859 में आया था। तब सूरज की ऊर्जा के शक्तिशाली विस्फोट ने पृथ्वी के टेलीग्राफ सिस्टम ठप कर दिए थे। इस घटना को कैरिंगटन इवेंट के रूप में भी जाना जाता है। अब शोधकर्ताओं ने प्राचीन वृक्षों के तनों के छल्लों का उपयोग करके अब तक के सबसे बड़े सौर तूफान की पहचान की है। फ्रांसीसी आल्प्स में पाए गए प्राचीन वृक्षों के छल्लों के विश्लेषण के अनुसार यह घटना 14,300 साल पहले हुई थी।

विशेषज्ञों ने कहा कि पेड़ों के रेडियोएक्टिव कार्बन-14 (कार्बन का रेडियोएक्टिव आइसोटोप) में उछाल एक बड़े सौर तूफान के कारण हुआ था। कार्बन-14 पेड़ों और जानवरों में समाहित है। चूंकि इस रेडियोएक्टिव कार्बन का क्षय एक ज्ञात दर पर होता है, विज्ञानी इसके माध्यम से यह पता लगा सकते हैं कि ये जीव किस समय रहते थे। इससे प्राचीन वृक्षों के वार्षिक छल्लों में छिपे हुए सौर तूफानों का भी पता चल सकता है। आज इसी तरह का बड़ा सौर तूफान उपग्रह प्रणालियों को नष्ट कर सकता है और बड़े पैमाने पर बिजली ग्रिड के ब्लैकआउट का कारण बन सकता है। ऐसे सौर तूफान से होने वाला नुकसान अरबों डॉलर में होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की संचार और ऊर्जा प्रणालियों की रक्षा करने के लिए सौर तूफानों को समझना महत्वपूर्ण है।

अपने अध्ययन के लिए ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय सहित शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने दक्षिणी फ्रांसीसी आल्प्स में गैप के पास ड्रोजेट नदी के नष्ट हुए तटों पर प्राचीन पेड़ों में रेडियोएक्टिव कार्बन के स्तर को मापा। शोधकर्ताओं ने इन पेड़ों के तनों के छल्ले काटे। अलग-अलग छल्लों को करीब से देखने पर उन्होंने 14,300 साल पहले पेड़ों के रेडियोकार्बन के स्तर में एक अभूतपूर्व वृद्धि पाई। उन्होंने कहा कि यह उछाल संभवत: एक विशाल सौर तूफान के कारण हुआ, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल में भारी मात्रा में ऊर्जावान कणों को छोड़ा होगा। फ्रांसीसी वैज्ञानिक और अध्ययन के प्रमुख लेखक एडौर्ड बार्ड ने बताया कि ब्रह्मांडीय किरणों द्वारा शुरू की गई क्रियाओं की एक शृंखला के माध्यम से ऊपरी वायुमंडल में रेडियो कार्बन का उत्पादन लगातार हो रहा है। लीड्स विश्वविद्यालय के प्रोफेसर टीम हेटन का कहना है कि चरम सौर तूफानों का पृथ्वी पर भारी प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह के तूफान हमारे बिजली ग्रिड में ट्रांसफार्मर को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप महीनों तक भारी और व्यापक ब्लैकआउट हो सकता है।

इनसे उन उपग्रहों को भी स्थायी क्षति हो सकती है जिन पर हम सभी नेविगेशन और दूरसंचार के लिए भरोसा करते हैं। पिछले 15,000 वर्षों में ऐसे चरम नौ सौर तूफानों की पहचान हुई है। इन्हें मियाके इवेंट्स के रूप में भी जाना जाता है। विशेषज्ञों ने कभी भी मियाके घटना को क्रियान्वित होते नहीं देखा है। सूर्य के व्यवहार के बारे में अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है। वैज्ञानिक यह भी जानना चाहते हैं कि क्या ऐसी घटनाओं की भविष्यवाणी की जा सकती है। सौर गतिविधि का प्रत्यक्ष माप 17वीं शताब्दी में सौर धब्बे (सनस्पॉट) की गिनती के साथ ही शुरू हुआ था। आजकल वैज्ञानिक जमीन-आधारित वेधशालाओं, अंतरिक्ष जांच और उपग्रहों का उपयोग करके विस्तृत रिकॉर्ड भी प्राप्त करते हैं। हालांकि ये सभी अल्पकालिक रिकॉर्ड सूर्य की पूरी समझ के लिए अपर्याप्त हैं। सूरज के भीषण तूफान हर 100 या 200 वर्ष बाद उत्पन्न होते हैं। ध्यान रहे कि बड़े सौर तूफान चुंबकीय ऊर्जा के जमा होने से उत्पन्न होते हैं। यह ऊर्जा विकिरण के तीव्र विस्फोट के रूप में बाहर निकलती हैं। अंतरिक्ष के विषम मौसम का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि प्रचंड सौर तूफान से निपटना हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

1889 के सौर तूफान ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका में टेलीग्राफ के तारों को अस्त-व्यस्त कर दिया था और इससे कई जगह आग लग गई थी। इस सौर तूफान ने कनाडा के राष्ट्रीय ग्रिड के कई महत्वपूर्ण ट्रांसफार्मर उड़ा दिए थे जिससे वहां बड़ा बिजली संकट पैदा हो गया था। इस तरह के तूफान 1956, 1972, 1989 और 2003 में भी आए थे जिनसे वायुमंडल में विकिरण का स्तर बढ़ गया था। 2012 में एक विनाशकारी सौर तूफान पृथ्वी के नजदीक से गुजर गया था। यदि आज हमें 1889 जैसा तूफान झेलना पड़े तो उसका प्रभाव ज्यादा व्यापक होगा क्योंकि आज हमारे विद्युत और दूरसंचार नेटवर्क बहुत ज्यादा उन्नत हो चुके हैं। पिछली सदी की तुलना में आज हम ऐसे तूफान के आगे ज्यादा बेबस हैं क्योंकि हमारा समस्त जीवन आधुनिक इलेक्ट्रोनिक्स पर आधारित है। सबसे पहले ऐसे तूफान की शक्तिशाली विद्युत चुंबकीय तरंगों की चपेट में दूरसंचार उपग्रह आएंगे जो हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर के अहम अंग हैं। इससे विद्युत ग्रिडों के अलावा मोबाइल फोन नेटवर्क को नुकसान हो सकता है।

विटामिन सी से है भरपूर

हरे केले में भारी मात्रा में विटामिन-सी होता है, जो एक प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट है, जो विभिन्न प्रकार के संक्रमणों और पुरानी बीमारियों से बचाने में कारगर है। साथ ही इसे खाने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है और यह हमारी स्किन को हेल्दी बनाने में भी मदद करता है। जो चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। यही नहीं यह मुंहासों की समस्या से भी राहत दिला सकता है।

दिल के लिए फायदेमंद

वजन घटाने के साथ ही हरे केले आपके दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। इसमें कई सारे ऐसे हार्ट हेल्दी पोषक तत्व पाए जाते हैं, तो आपके दिल को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। इसमें नेचुरल वासोडिलेटर होता है और यह पोटेशियम का एक बड़ा स्रोत है, जो हृदय गति को बनाए रखते हुए ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करते हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल में कच्चा केला खाना कई प्रकार से फायदेमंद है। ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करता है।

सूजन कम करे

हरे केले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से शरीर की रक्षा में मदद करते हैं। साथ ही यह हेल्दी सेल्स को ऑक्सीडेटिव डैमेज से भी बचाते हैं। इसके अलावा कच्चे केले में बायोएक्टिव पदार्थ विटामिन सी, बीटा-कैरोटीन और अन्य फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं। आपके शरीर में सूजन दोधारी तलवार हो सकती है। शरीर में डिहाइड्रेशन के कारण भी त्वचा पर सूजन और एलर्जी की प्रतिक्रिया देखने को मिल सकती है। इसलिए पर्याप्त पानी जरूर पिएं जिससे कि शरीर से सभी टॉक्सिन्स बाहर निकल सकें।

पके ही नहीं कच्चे केले भी हैं फायदेमंद

फल हमारी सेहत के लिए हमेशा से ही काफी फायदेमंद होते हैं। बाजार में मिलने वाले विभिन्न फल हमारी सेहत को कई तरह से फायदे पहुंचाते हैं। यही वजह है कि बड़े-बुजुर्गों से लेकर डॉक्टर्स तक हर कोई हमें फल खाने की सलाह देते हैं। केला इन्हीं फलों में से एक है, जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे खाने से सेहत को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। पके केले हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं। हालांकि कच्चे केले भी हमें कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं लेकिन बेहद कम लोग ही इसके फायदों के बारे में जानते होंगे। यह पचाने में आसान होते हैं और स्वस्थ फलों में से एक है, जो फाइबर, पोटेशियम समेत अन्य जरूर पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

वजन घटाने में मददगार

हरे केले या कच्चे केले वजन कम करने में काफी मददगार है। इसमें मौजूद रेजिस्टेंट स्टार्च और पेक्टिन लंबे समय तक आपका पेट भरा रखते हैं, जिससे आपको भूख नहीं लगती और ज्यादा खाने से बचे रहते हैं और इस तरह आपको वजन घटाने में मदद मिलती है। इसे फुल मील की जगह ब्रेकफास्ट के तौर पर ले सकते हैं। इसके सेवन करने से अनावश्यक कैलारी के सेवन से बचा जा सकता है। केले में हाई कैलोरी, कार्ब्स और शुगर होती है जो अनहेल्दी स्नैक्स के खाने से बेहतर हो सकती है।

इसमें भरपूर मात्रा में होता है फाइबर

दस्त में मिलता है आराम

कच्चा केला खाने से आपको दस्त की समस्या से राहत मिल सकती है। कच्चे केले को खाने से पहले आप इसे अच्छी तरह से उबाल लें। दस्त मुख्य रूप से बैक्टीरियल संक्रमण, वायरल संक्रमण और परजीवी संक्रमण के कारण होती है। दस्त के कारण आपको सिरदर्द, जी मिचलाना, थकान, पेट में दर्द जैसे लक्षण हो सकते हैं। कच्चा केला खाने से आपको इस समस्या में होने वाले ऐसे लक्षण से आराम मिलता है।

ब्लड शुगर करे कंट्रोल

पके केले की तुलना में कच्चे केले में शुगर कम होती है। इसके अलावा हरे केले में मौजूद पेक्टिन और ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने के लिए काफी जरूरी हैं। साथ ही, हरे केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फायदेमंद है। मधुमेह से ग्रसित होने के बाद बीमार पड़ने पर आपको दिन में हर घंटे एक कप शुगर फ्री और बिना कैफीन वाला लिक्विड डाइट लें। इस दौरान शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाएं। हर 15 मिनट पर शरीर में लिक्विड जाने से आपका शरीर डिहाइड्रेट होने से बचेगा। मधुमेह ऐसी बीमारी है जिसका असर दूसरे अंगों पर भी पड़ता है।

पाचन तंत्र में होता है सुधार

कच्चा केला खाने से आपके शरीर में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या में बढ़ोतरी होती है। इन बैक्टीरिया को प्रोबायोटिक बैक्टीरिया भी कहा जाता है। यह बैक्टीरिया हमारी आंतों में पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र और पेट को स्वस्थ बनाने में सहायक होते हैं। इसलिए कहा जाता है कि कच्चा केला व्यक्ति के पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होता है।

हंसना मना है

पति पत्नी मंदिर मे पूजा करने गये, पतिः तुमने क्या मांगा? पत्नीः कि आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पतिः भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

एक बार पति की तबियत बहुत ख़राब थी, पति : काम वाली शांति को बुलाओ, पत्नी : क्यों? पति : डॉक्टर ने कहा है कि दवा खाकर शांति के साथ सो जाना।

हर आदमी का सपना- 7 अंको में सैलरी 6 अंको में बचत, 5 बेडरूम वाला घर, 4 पहियों की गाड़ी, 3 हफ्ते की छुट्टियां, 2 प्यारे बच्चे, 1 गूंगी बीवी।

मुर्गी - एक अंडा देना, शॉपकीपर - अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी - हां पर मेरे पती ने कहा है की 4 रु के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो !

जब घर में बच्चा पैदा होता है, मां- इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप- इसकी आंखे मुझ पर गयी है, चाचा- इसके बाल मुझ पर गए है, मां- इसकी स्माइल मुझ पर गयी है, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं बत्तमीज किस पर गया है।

कहानी — आधा इनाम

यह बात तब की है जब शहंशाह अकबर और बीरबल की पहली मुलाकात हुई थी। उस समय सभी बीरबल को महेश दास के नाम से जानते थे। एक दिन शहंशाह अकबर बाजार में महेश दास की होशियार से खुश होकर उसे अपने दरबार में इनाम देने के लिए बुलाते हैं और निशानी के तौर पर अपनी अंगूठी देते हैं। कुछ समय के बाद महेश दास सुल्तान अकबर से मिलने का विचार बनाकर उनके महल की ओर रवाना हो जाते हैं। वहां पहुंचकर महेश दास देखते हैं कि महल के बाहर बहुत लंबी लाइन लगी हुई है और दरबान हर व्यक्ति से कुछ न कुछ लेकर ही उन्हें अंदर जाने दे रहा है। जब महेश दास का नंबर आया, तो उसने कहा कि महाराज ने मुझे इनाम देने के लिए बुलाया है और उसने सुल्तान की अंगूठी दिखाई। दरबान के मन में लालच आ गया और उसने कहा कि मैं तुम्हें एक ही शर्त पर अंदर जाने दूंगा अगर तुम मुझे इनाम में से आधा हिस्सा दो तो। दरबान की बात सुनकर महेश दास ने कुछ सोचा और उसकी बात मानकर महल में चले गए। दरबार में पहुंचकर वह अपना नंबर आने का इंतजार करने लगे। जैसे ही महेश दास की बारी आई और वो सामने आए, तो शहंशाह अकबर उन्हें देखते ही पहचान गए और दरबारियों के सामने उनकी बहुत तारीफ की। बादशाह अकबर ने कहा कि बोलो महेश दास इनाम में क्या चाहिए। तक महेश दास ने कहा कि महाराज मैं जो कुछ भी मांगूगा क्या आप मुझे इनाम में देंगे? बादशाह अकबर ने कहा कि बिल्कुल, मांगों क्या मांगते हो। तब महेश दास ने कहा कि महाराज मुझे पीठ पर 100 कोड़े मारने का इनाम दें। महेश दास की बात सुनकर सभी को हैरानी हुई और बादशाह अकबर ने पूछा कि तुम ऐसा क्यों चाहते हो। तब महेश दास ने दरबान के साथ हुई पूरी घटना बताई और अंत में कहा कि मैंने वादा किया है कि इनाम का आधा हिस्सा मैं दरबान को दूंगा। तब अकबर ने गुस्से में आकर दरबान को 100 कोड़े लगवाए और महेश दास की होशियारी देखकर अपने दरबार में मुख्य सलाहकार के रूप में रख लिया। इसके बाद अकबर ने उनका नाम बदलकर महेश दास से बीरबल कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। योजना फलीभूत होगी। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी।

वृषभ — परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

मिथुन — आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क — प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें।

सिंह — पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या — मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

तुला — मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक — उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

धनु — बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर — निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ — व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन — जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

बॉलीवुड | प्रमोशन

शाहरुख खान की फिल्म डंकी में नजर आयेंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री तापसी पन्नू जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म डंकी में नजर आएंगी। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तापसी पहली बार किंग खान के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। फिलहाल डंकी फिल्म से जुड़े सभी सितारे इसके प्रमोशन में जुटे हैं। वही तापसी पन्नू इन दिनों डंकी के साथ अपनी आने वाली फिल्म फिर आयी हसीन दिलरुबा की शूटिंग समाप्त करके छुट्टियों के लिए अपनी पसंदीदा हॉलिडे डेस्टिनेशन पर जा पहुंची हैं।

तापसी पन्नू ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से फोटो शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी है। मालदीव के गुलाबी मौसम में, गुलाबी रंग के को-ऑरड सेट पहनी तापसी बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इन फोटोज में तापसी को बिल्कुल नैचुरल रूप में धूप सेंकते हुए देखा जा सकता है। डंकी स्टार तापसी ने फोटो के कैप्शन में लिखा है, फिल्म डंकी और फिर आयी हसीन दिलरुबा की शूटिंग खत्म करके मैं अपनी फेवरेट जगह पर हूं। इस छुट्टी की मुझे बेहद दरकार थी। ये वही जगह है, जिसे देखते ही पहली नजर में मुझे इससे प्यार हो गया था। आपको बता दे कि डंकी के रिलीज से पहले इस साल तापसी पन्नू की एक और फिल्म आयी थी ब्लर, जो सस्पेंस थ्रिलर थी। फिल्म में तापसी की बहन की मौत हो जाती है, जो देख नहीं सकती थी। उसकी मौत के बाद तापसी पन्नू के किरदार को भी देखने में दिक्कत होने लगती है और फिर फिल्म की कहानी अनफोल्ड होती है। अलग किस्म की फिल्में और लीक से हट कर अपने किरदारों के लिए चर्चा में रहने वाली तापसी के लिए राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म बेहद खास है। बात करें डंकी की तो इसमें शाहरुख और तापसी पन्नू के अलावा विक्की कौशल भी अहम रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म 21 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं बात करें फिर आयी हसीन दिलरुबा की तो ये फिल्म अगले साल जनवरी में नेटफ्लिक्स पर आएगी।

रुलाकर चले गए सबको हंसाने वाले जूनियर महमूद

स्मृतिशेष

मशहूर अभिनेता जूनियर महमूद नहीं रहे। पेट के कैंसर के चलते 67 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया है। अभिनेता का कैंसर चौथी स्टेज पर पहुंच गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता का निधन अपने आवास पर हुआ। उनका उपचार परेल के टाटा मेमोरियल अस्पताल से चल रहा था। लेकिन, कैंसर से जंग में वे हार गए।

बता दें कि जूनियर महमूद ने हाथी मेरे साथी, कारवां और मेरा नाम जोकर सहित कई चर्चित फिल्मों में काम किया था।

जूनियर महमूद के निधन की पुष्टि उनके करीबी दोस्त सलाम काजी ने की है। बता दें कि उपचार के दौरान अभिनेता महमूद ने अपने पुराने दोस्तों, अनुभवी अभिनेता जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर से मिलने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद सचिन और जितेंद्र जूनियर महमूद से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के दौरान सचिन ने बीमार अभिनेता से यह भी पूछा कि क्या वे कोई मदद कर सकते हैं? हालांकि, महमूद के बच्चों ने किसी तरह की मदद से इनकार कर दिया था। अभिनेता जूनियर महमूद के

निधन की खबर से इंडस्ट्री गमगीन है। वे इंडस्ट्री के उन सितारों में शुमार रहे, जिन्होंने पांच दशक से ज्यादा समय इंडस्ट्री में बिताया। रिपोर्ट्स के मुताबिक जूनियर महमूद का नाम नईम सय्यद था और उन्हें ये पेन नेम दिग्गज कॉमेडियन महमूद ने दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता को करीब एक महीना पहले ही अपनी कैंसर संबंधी बीमारी के बारे में मालूम चला था। तब तक बहुत देर हो गई थी और उनकी सेहत भी काफी ज्यादा बिगड़ गई थी। उनके करीबी दोस्त सलाम काजी ने कहा कि उनकी सेहत बिगड़ती ही जा रही थी और वे लाइफ सपोर्ट पर थे, लेकिन दुखद कि वे बच नहीं सके। अपने फिल्मी करियर में जूनियर महमूद ने कई फिल्मों और टीवी शो में काम किया था। उन्होंने करियर की शुरुआत साल 1967 में आई संजीव कुमार की फिल्म नौनिहाल से की थी। उस समय वे महज 11 वर्ष के थे। इसके बाद संघर्ष, ब्रह्मचारी, दो रास्ते, कटी पतंग, हाथी मेरे साथी, हंगामा, छोटी बहू, दादागिरी समेत कई फिल्मों में वे नजर आए। सबसे ज्यादा वे राजेश खन्ना और गोविंदा की फिल्मों में दिखे।

एनिमल में गीतांजलि का किरदार मेरे लिए खास रहा : रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश के रूप में भी जानी जाने वाली रश्मिका मंदाना इन दिनों एनिमल को लेकर सुर्खियों में हैं। संदीप रेड्डी के निर्देशन में बनी ये फिल्म हाल में रिलीज हुई है और जिसे ब्लॉकबस्टर घोषित कर दिया गया है। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस को खूब प्यार मिला है। फिल्म में रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों ने हैशटैग-RaRa के साथ सराहा है। यह सही बात है कि कोई भी गीतांजलि के किरदार को उस तरह से नहीं कर पाएगा जिस तरह से रश्मिका ने निभाया है। ऐसे में रश्मिका ने कहा, माई लव्स। पिछले कुछ दिन मुझे एनिमल के लिए मिले प्यार से बहुत अभिभूत कर देने वाले रहे हैं। यह समझाया नहीं जा सकता है। धन्यवाद। एक कलाकार के तौर पर

गीतांजलि मेरे लिए बहुत खास किरदार है। उसकी ताकत उसकी सबसे अच्छी क्वालिटी है, और मुझे उसका किरदार निभाना बहुत पसंद आया। मैं एनिमल की पूरी टीम के साथ सेट पर बिताए पलों को हमेशा याद रखूंगी। इस बीच वह अपने अपकमिंग थ्रिलर प्रोजेक्ट द गर्लफ्रेंड की लोकेशन्स शूट्स में भी बिजी हैं, जो शानदार प्रदर्शन देने के लिए उनके समर्पण को दिखाता है। फिल्मों की बात करें तो रश्मिका के पास परियोजनाओं की एक रोमांचक सीरीज है, जिसमें द गर्लफ्रेंड, डी -51 और बहुप्रतीक्षित, पुष्पा 2- द रूल शामिल है।

अजब-गजब | देश का अजीबोगरीब गांव..

इस गांव में पाउडर-लिपस्टिक छोड़िए सिंदूर तक नहीं लगातीं महिलाएं

आजकल लोग काफी फैशनेबल होते जा रहे है। इस बीच छत्तीसगढ़ के कुछ गांव अपनी पुरानी परंपरा पर चल रहे हैं। ऐसे ही एक रूढ़िवादी परंपरा धमतरी जिले में देखने को मिल रही है, जिस पर आज के दौर में यकीन करना बहुत मुश्किल है।

धमतरी जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर नगरी ईलाके में संदबाहरा गांव है। इस गांव में 40 से 50 परिवार रहते हैं। हैरानी की बात है कि इस गांव में महिलाएं न तो श्रृंगार करती हैं और न ही खाट पर सोती हैं। यही नहीं, महिलाएं लकड़ी की बनी हुई कोई भी चीज मसलन टेबल और कुर्सी पर नहीं बैठती हैं। वहीं, गांव की विवाहित महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर तक नहीं भरती हैं। ग्रामीणों की मान्यता है कि अगर महिलाएं ऐसा करेंगी, तो उसे कोई न कोई गंभीर बीमारी जरूर हो जाएगी।

संदबाहरा गांव की महिला दिल कुंवर ने बताया कि गांव में ही एक पहाड़ी है, जहां कारीपठ देवी विराजमान हैं। गांव की देवी

श्रृंगार या फिर खाट पर सोने के कारण नाराज हो जाती हैं और गांव पर संकट आ जाता है। साथ ही बताया कि यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। अगर कोई भी गांव में इसे तोड़ने की गलती करता है, तो गांव में कोई ना कोई परेशानी आ जाती है।

दिल कुंवर के मुताबिक, गांव में कोई त्यौहार या शादी हो, लेकिन महिलाए श्रृंगार नहीं करती हैं। वहीं, गांव में महिलाओं को लकड़ी से बने टेबल कुर्सी पर बैठने की मनाही है। हालांकि उनके बैठने के लिए ईंट-सीमेंट के चौरा बनाए गए हैं।

मिट्टी से सोना निकाल लेते इस गांव के लोग, हर साल करते हैं लाखों की कमाई

सोना खदानों से निकाला जाता है, ये तो हम सब लोग जानते हैं। छोटे टुकड़ों या अनाज के दाने जैसे आकार में यह चट्टानों और बहते पानी से इकट्ठी हुई मिट्टी में पाया जाता है। दुनिया में कई खदानें हैं, जहां एक्सपर्ट लोग काम करते हैं। इसके लिए उन्हें खास ट्रेनिंग दी जाती है। लेकिन आज हम एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां के लोग मिट्टी से सोना निकाल लेते हैं। विदेश नहीं, भारत में ही ये गांव मौजूद है।

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में श्रीकलाहस्ती इलाके के पास पड़ने वाले गावों में मिट्टी से सोना निकालते लोग आपको नजर आ जाएंगे। ये लोग इस काम को कई पीढ़ियों से कर रहे हैं। दरअसल, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे बड़े शहरों में कई मशहूर दुकानें हैं, जहां सोने के गहने बनाए जाते हैं। आभूषण बनाने के दौरान धूल, चिकनी मिट्टी और कई चीजें बेकार होकर बाहर निकलती हैं। ये लोग इन्हीं बेकार चीजों को खरीदकर लाते हैं। फिर शुरू होता है इनसे सोना निकालने का काम। ग्रामीणों का कहना है कि पारे की मदद से वे चिकनी मिट्टी को सोने में बदल देते हैं। लेकिन पूरी प्रकिया क्या है। पहले चिकनी मिट्टी में पारा मिलाते हैं और उनकी छोटी-छोटी गोलियां बनाकर 2-3 दिन सूखने के लिए रख देते हैं। फिर उन्हें केक की तरह बनाकर गर्म करते हैं और मशीन में भेज दिया जाता है। वहां केक की तरह दिखने वाली इस मिट्टी को एक दिन और सुखाया व ठंडा किया जाता है। 2 महिलाएं इनमें से सोना और पारा अलग करने का काम करती हैं। कचरे से मिला सोना एक कांच के बर्तन में डाला जाता है और फिर उसे भट्ठी में पकाया जाता है। फिर उसमें एक एसिड डालकर गर्म करते हैं। इसी प्रक्रिया में तांबा-पीतल और दूसरी अशुद्धियां एसिड में घुल जाती हैं, जिसके बाद शुद्ध सोना निकलता है। हालांकि, इसमें किस्मत का भी खेल है। क्योंकि कई बार जितना पारा मिलाया जाता है, उतना सोना नहीं मिलता। कभी 1 ग्राम मिलता है तो कभी 2 ग्राम। कई बार तो ये भी नहीं मिलता। ऐसे में मिट्टी खरीदने और उसे प्रॉसेस करने में जो खर्च आता है, वह काफी ज्यादा होता है।

उत्तराखंड में अरबों का निवेश करेगा अडानी समूह

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोले प्रणव अडानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में में दो दिवसीय इन्वेस्टर्स समिट की शुरुआत हो गई। इस समिट में अडानी ग्रुप उत्तराखंड में बड़े निवेश का ऐलान किया। यहां पर पहुंचे अडानी ग्रुप के निदेशक प्रणव अडानी ने कहा राज्य सरकार ने उनको इस समिट में बुलाया उसके लिए कंपनी की ओर बहुत-बहुत आभार। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड व देहरादून उनके दिल में खास जगह रखता है। उन्होंने कहा उत्तराखंड भौतिक व अध्यात्मिक अनुभव का खजाना है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एक पवित्र स्थलों का प्रवेश द्वार है। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नही कि उत्तरांचल देव भूमि है। उन्होंने कहा कि अब राज्य निवेश के लिए भी आकर्षक प्रवेश द्वारों में एक बन गया है। वहीं पिछले पांच सालों में राज्य के विकास और स्थिति के दृष्किोण में बदलाव देखा गया। उन्होंने कहा कि सिंगल पाइंट क्लियरेंस, जमीन की वाजिब कीमतें, सस्ती बिजली, कुशल कामगार व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के करीब व बेहतरीन कानून व्यवस्था की वजह से उत्तराखंड निवेश के लिए उचित है।

800 करोड़ रुपये की स्मार्ट मीटर परियोजना शुरू

अडानी समूह उत्तराखंड में सीमेंट क्षेत्र में 1,700 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। अडाणी ने यहां वैश्विक निवेशक सम्मेलन में कहा, सीमेंट क्षेत्र में हम 1,700 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इसमें रुड़की क्षेत्र में मौजूदा अंबुजा सीमेंट प्लांट के विस्तार के लिए 300 करोड़ रुपये शामिल हैं। अडाणी ने कहा, हम इसकी क्षमता 12 लाख टन से बढ़ाकर 30 लाख टन सालाना करने के लिए 300 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इसके अलावा, अडानी समूह राज्य में चार मिलियन टन की क्षमता वाली एक नई ग्राइंडिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 1,400 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगा। उन्होंने कहा, कि हमें उम्मीद है कि इससे (हमारा निवेश) राज्य में 6,000 नई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। कुमाऊं क्षेत्र में अडानी एंटरप, अडानी समूह ने पारंपरिक पुराने मीटरों को बदलने के लिए उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) के लिए स्मार्ट मीटर लगाने के लिए 800 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की है। हम पंतनगर में 1,000 एकड़ जमीन भी तलाश रहे हैं। पंतनगर में संभावनाओं में एक एयरो-सिटी, एक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउसिंग और एक नॉलेज पार्क के लिए बुनियादी ढांचा शामिल है, अडानी ने कहा। उन्होंने राज्य में बिजली वितरण में भाग लेने की भी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समूह ने 200 जीवाश्म ईंधन से चलने वाली राज्य बसों को पर्यावरण के अनुकूल सीएनजी बसों में बदलने का प्रस्ताव दिया है।

अमेठी में सांसद स्मृति ईरानी, लाभार्थियों को बांटा स्मार्ट फोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। तीन राज्यों में भाजपा की जीत के बाद शनिवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी पहुंची। इस दौरे पर वह विकसित भारत संकल्प यात्रा में हिस्सा लेने के साथ ही उन्होंने लाभार्थियों को स्मार्ट फोन भी वितरित किए। इसके अलावा वह कई अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगी।

अमेठी पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले गौरीगंज में जामो रोड पर रामशंकर शुक्ल के आवास पर शोक संवेदना जताने के साथ ही परिजनों से बात की। केंद्रीय मंत्री के साथ जिला प्रभारी शंकर गिरी, जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र आदि भाजपा नेता मौजूद रहे। इसके बाद वह जीजीआइसी मैदान, सराय बरबंड सिंह, नरसिंह भानपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। इसके बाद पार्टी नेताओं के यहां पर आयोजित कार्यक्रम में भी सांसद हिस्सा लेंगी। डीपीआरओ श्रीकांत यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री कुछ लाभार्थियों से संकल्प यात्रा के दौरान संवाद भी करेंगे। इसको लेकर तैयारी की गई है।

लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव का आगाज

नृत्य संगीत ने बांधा समां, झूमे दर्शक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया बरजोरी रे रसिया... पर जब सुजीत अलबेला, शिवा, ईशान, आकाश, आंसू, काव्या, मानसी, अंकिता, सुभाषिनी और आयुशी ने जब भाव पूर्ण अभिनय युक्त नृत्य प्रस्तुत किया तो लोगों हतप्रभ रह गए। यह खूबसूरत मौका था प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना शहीद पथ लखनऊ में चल रहे 5वें लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की तृतीय सांस्कृतिक संध्या का। इसके पूर्व लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की तृतीय सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह और एन.बी. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पवन पाल, शालिनी श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वीरवर लक्ष्मण को समर्पित लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव की आज की संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना बजा के ढोलक बप्पा मेरे नाचे पर अंकिता, सुभाषिनी, आयुशी, काव्या और आंशु के भाव नृत्य से हुआ। मन को मोह लेने वाली इस प्रस्तुति के उपरान्त शिखर वर्मा और तनुश गौतम ने अपनी खनकती हुई आवाज में ओ रे पिया, कभी जो बादल बरसे, दिल संभल जा जरा गीत को सुना कर श्रोताओं का दिल जीता।

झूले और तंदूरी चाय आकर्षण का केंद्र बनी

दुबई के मनमोहक झूलों और तंदूरी चाय और काफी की चुस्कियों से लक्ष्मणपुर अवध महोत्सव 2023 का आयोजन स्थल जनता के आकर्षण का केंद्र बन गया है। मेले और महोत्सव की आत्मा तो उसके फन और फूड जोन में ही बसी होती है। अवध शिल्प ग्राम पर चल रहे महोत्सव में फन जोन और फूड जोन अपनी पूरी रौनक में आ गए हैं।

गोमती नदी किनारे बिखरेंगे शब्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुस्तक महोत्सव का आज आगाज

लखनऊ। गोमती किनारे पुस्तकों का सबसे बड़ा महोत्सव पाठकों के लिए तैयार है। नौ दिवसीय इस महोत्सव में देश-विदेश के प्रख्यात साहित्यकारों का जमावड़ा लगेगा। पूर्व संध्या पर नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित वार्ता में जनसंपर्क प्रमुख अमित सिंह ने सूचित किया कि इस वर्ष देश-विदेश से अधिक प्रकाशकों की पुस्तकों से सजे 100 से अधिक बुक स्टॉल होंगे।

प्रदर्शनी में एनबीटी, प्रकाशन विभाग, अमर चित्रकथा, रूपा, हार्पर कॉलिन्स, मैकमिलन, मंजुल, वितास्ता, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस जैसे प्रकाशकों की बेस्ट सेलर्स के साथ-साथ बुकर अवॉर्ड के लिए नामित पुस्तकें भी शामिल हैं। सभी के लिए पुस्तकें थीम के अंतर्गत दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल पुस्तकों के मुफत वितरण की व्यवस्था यूआईडी प्रस्तुत करने पर की गई है। एनबीटी ने सूचित करते यह भी बताया कि बच्चों के लिए विशेष रचनात्मक कार्यशालाओं का आकर्षण केंद्र कहानी सुनो, कहानी बुनो जैसे कार्यक्रमों से जेनअल्फा से लेकर जेनजी तक के युवा पाठकों की अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें अखबार लिखने की कला से लेकर पुस्तक बनाने की कला तक सम्मिलित हैं। पुस्तक मेले में महिला एवं युवा साहित्यकारों को विशेष रूप से स्थान मिला है।

इस कड़ी अनब्रोकन द ब्रसल्स टेरर अटैक सर्वाइवर की लेखिका निधि चापेकर की प्रेरक यात्रा से लेकर सती, द्रोपदी, अहिल्या जैसे पौराणिक पात्रों पर लिखने वाली प्रख्यात लेखिका कोरल दास गुप्ता, रचना छाबड़िया शामिल होंगी। उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम के साहित्य को जोड़ते हुए साहित्यिक कार्यक्रमों की सूची में निलोत्पल मृणाल, कल्पेश रत्ना, रवि भट्ट, प्रसून रॉय, संदीप दत्त, संजीव पालिवाल, आशुतोष शुक्ल, राजेश व्यास जैसे कई स्थापित लेखक एवं केविन मिसल अंतर अत्रेय जैसे युवा लेखक सम्मिलित होंगे। नौ दिवसीय इस पुस्तक महोत्सव में रीडिंग टी के साथ-साथ सांस्कृतिक और म्यूजिकल कार्यक्रम गोमती तट पर अपनी ओर आकर्षित करेंगे। यूनिवर्सल बुक स्टोर के को-फाउंडर और गोमती पुस्तक महोत्सव के आयोजन समिति के मनोनीत सदस्य चंद्र प्रकाश ने एनबीटी के प्रयासों की सराहना करते हुए लखनउ के नागरिकों को इस पुस्तक मेले में आने के लिए आमंत्रित किया ताकि यह पुस्तक महोत्सव न केवल लखनऊ बल्कि देश के महत्वपूर्ण साहित्यिक कैलेंडर इवेंट के रूप में स्थापित हो सके।

भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे एनगिडी, हेंड्रिक्स लेंगे जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनगिडी अपनी घरेलू टीम के पास लौटेंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) से गुजरेंगे। एनगिडी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को जानसन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण का नेतृत्व करना था। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी बाएं टखने में मोच के कारण भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला से बाहर हो गए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान में कहा गया है कि 27 वर्षीय खिलाड़ी को टीम से रिलीज कर दिया गया है।

एनगिडी अपनी घरेलू टीम के पास लौटेंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरानी में रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) से गुजरेंगे। एनगिडी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को जानसन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण का नेतृत्व करना था। टीम में उनकी जगह तेज गेंदबाज ब्यूरन हेंड्रिक्स को शामिल किया गया है। तैंतीस साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेंड्रिक्स ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पिछला मैच 2021 में टी20 प्रारूप में ही खेला था। उन्होंने 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 25 विकेट लिए हैं।

भारत की अंडर-19 टीम का जीत से आगाज

एशियन क्रिकेट काउंसिल अंडर 19 मेंस एशिया कप 2023 का आगाज हो चुका है। वहीं इस आगाज के साथ ही भारत की जीत भी हुई है। दरअसल, भारत ने अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया है। जबकि पाकिस्तान ने भी नेपाल को सात विकेट से ही हराया। भारत की ओर से अर्शिन कुलकर्णी ने अपने ऑलराउंडर खेल से सबका दिल जीत लिया। अर्शिन ने पहले गेंदबाजी करते हुए आठ ओवर में महज 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए और फिर बैटिंग के दौरान नॉचआउट 70 रनों की पारी खेली। उनके ऑलराउंडर खेल ने सबका दिल जीत लिया। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान को 50 ओवर में 173 रनों पर समेट दिया। अफगानिस्तान की ओर से जमशिद जदरान ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। जवाब में भारत ने 37.3 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शिन 70 जबकि मुशीर खान 48 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। भारत ने 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे। आदर्श सिंह 17 रन बनाकर आउट हुए थे। अर्शिन हालांकि, एक छोर संभाले रखे। रुद्र पटेल के रूप में भारतीय टीम को दूसरा झटका लगा था, जबकि कप्तान उदय सहारन भारत की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान की टीम कुछ उलटफेर कर सकती है, लेकिन अर्शिन और मुशीर ने इसके बाद काफी सूझबूझ से बैटिंग की और भारत को एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के पहले मैच में जीत दिलाई।

तेलंगाना में प्रोटेम स्पीकर को लेकर सियासी रार

» अकबरुद्दीन ओवैसी का विरोध कर रही बीजेपी

» नियमों और विधानसभा की परंपरा को तोड़ा : रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में चुनाव होने के बाद आज अकबरुद्दीन ओवैसी ने प्रोटेम स्पीकर के पद की शपथ ग्रहण की है। जिसके बाद से ही भाजपा लगातार उनका विरोध कर रही है। वहीं, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी को तेलंगाना विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। हम इसका विरोध करेंगे। वरिष्ठ विधायकों को छोड़कर अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है। ये नियमों और विधानसभा की परंपरा के खिलाफ है। हमारी पार्टी के विधायक नियमित स्पीकर आने के बाद ही शपथ लेंगे...हम लोग अभी राज्यपाल के पास जाकर इसके खिलाफ ज्ञापन भी देंगे। तेलंगाना बीजेपी प्रमुख जी किशन रेड्डी ने हैदराबाद में कहा कि हमने 8 सीटें जीती हैं और राज्य में 14 प्रतिशत वोट प्रतिशत तक पहुंच गए हैं... एक वरिष्ठ नेता को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने की एक परंपरा है।

मुझे फर्जी मामले में फंसाया : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जमानत अर्जी पर सुनवाई

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में अदालत से उन्हें जमानत देने का अनुरोध किया। संजय सिंह की जमानत अर्जी पर आज सुनवाई होगी। ईडी अर्जी पर अपनी दलील पेश कर सकती है। संजय सिंह ने बुधवार को जमानत याचिका दायर की थी। संजय सिंह ने कहा कि उन्हें फर्जी मामले में फंसाया गया है।

इस मामले में दाखिल चार आरोप पत्रों में उनका नाम नहीं है, लेकिन अचानक उन्हें मुख्य साजिशकर्ता बता दिया गया। उन्होंने दावा किया कि उनके देश छोड़कर भागने की कोई आशंका नहीं है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा है। बुधवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार सांसद संजय सिंह के वकील ने उनकी ओर से पक्ष रखा। वहीं न्यायाधीश ने इसी मामले के आरोपी शराब की दिग्गज कंपनी पेरनोड रिकॉर्ड के अधिकारी बिनॉय बाबू को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। सांसद सिंह के वकील ने अदालत से कहा कि उनके मुवक्किल जमीन से जुड़े नेता हैं जो कभी देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकते। समाज में उनकी प्रतिष्ठा है। वकील ने कहा कि 15 महीने तक जांच एजेंसी ने एक बार भी मेरे द्वारा जांच या सबूत को प्रभावित करने की बात नहीं कही है। उस दौरान कोई पूछताछ नहीं की गई। उस दौरान कोई आरोप भी नहीं लगाया गया। यहां तक कि इस मामले में दाखिल चार आरोप पत्रों में उनका नाम नहीं है, लेकिन अचानक उन्हें मुख्य साजिशकर्ता बता दिया गया है।

फोटो : 4 पीएम

आक्रोश कांग्रेस सांसद धीरज साहू के यहां ईडी की छापेमारी में मिले 300 करोड़ रुपये के खिलाफ भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी का पुतला फूंका।

मऊ में जर्जर दीवार गिरी, छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी कोतवाली इलाके में हल्दी की रस्म के दौरान दीवार गिरने से दो बच्चे और चार महिलाओं की मौत हो गई। घटना का सबसे बड़ा कारण साढ़े तीन फीट की गली और जर्जर दीवार बनी। करीब 50 की संख्या में महिला, बच्चे और अन्य लोग घर से कुछ दूर स्थित पोखरी पर जा रहे थे। इसी दौरान करीब 16 फीट ऊंची दीवार अचानक गिर गई। गली इतनी जर्जर थी कि दीवार गिरने के बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गए और किसी को भी वहां से भागने का मौका तक न मिला।

20 फीट लंबी दीवार की दूरी में आने वाले लोग ज्यादा घायल और मृतक थे। उधर, हादसे के बाद दुल्हन के घर भी सन्नाटा छाया रहा। घायलों को अस्पताल ला रही एंबुलेंस के हूटर से घोसी कस्बा सहित राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर मऊ नगर दहल उठा। वाहन चालक जागरुकता दिखाते हुए हूटर बजाते चल रही एंबुलेंस को रास्ता देते रहे। जिला अस्पताल पहुंचने के बाद लोग सहायता देते दिखाई दिए। घोसी कस्बा नगर के स्टेशन रोड निवासी बृजेश कुमार उर्फ मुन्ना का मोबिल के थोक विक्रेता है। बृजेश के छोटे बेटे बालेंदु की शादी नौ दिसंबर को है। इसे लेकर घर में तैयारियां अपने जोरों पर थी। जहां बारात जाने से पहले हल्दी की रस्म अदा करने को लेकर घर की महिलाएं मदा समसपुर स्थित पोखरी के पास धार्मिक स्थल पर जा रहे थे।

बिहार टॉपर घोटाले के माफिया बच्चा राय के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

» ईडी की जब्त जमीन पर ही कर लिया था कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाजीपुर। बिहार के टॉपर घोटाले के आरोपित भगवानपुर निवासी अमित कुमार उर्फ बच्चा राय के दो ठिकाने पर ईडी की छापेमारी की जा रही है। शनिवार की सुबह बच्चा राय के भगवानपुर के किरतपुर राजाराम स्थित विशुन राय महाविद्यालय एवं विशुन राय टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में ईडी की छापेमारी चल रही है। ईडी के कई बड़े अधिकारी दोनों संस्थान में गहन जांच कर रही है। बाहर पुलिस बल तैनाती की गई है।

मालूम हो कि बिहार के टॉपर शिक्षा घोटाले के आरोपित अमित कुमार उर्फ बच्चा राय के करीब 42 डिसमिल जमीन को ईडी ने जब्त किया था। जब्त जमीन को बच्चा राय ने कब्जा कर लिया था। कब्जा किए जाने के बाद ईडी ने भगवानपुर थाना से जब्त जमीन को खाली कराने की गुहार लगाई थी। खाली नहीं किए जाने पर ईडी ने भगवानपुर थाने में बच्चा राय के विरुद्ध जमीन कब्जा करने के आरोप में बीते 18 नवंबर को भगवानपुर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई थी। उसके बाद शनिवार की सुबह ईडी ने अमित कुमार उर्फ बच्चा राय के दो ठिकाने पर छापेमारी शुरू कर दी। 2016 में वैशाली जिले के भगवानपुर के विशुन राय महाविद्यालय अचानक सुर्खियों में आया था। मालूम हो कि 2016 की इंटर आर्ट्स परीक्षा में वैशाली के विशुन राय महाविद्यालय की छात्रा रूबी राय ने टॉप किया था। इसके बाद मीडिया इंटरव्यू में उसने अपने विषय पॉलिटिकल साइंस को प्रोडिकल साइंस कहते हुए बताया कि इसमें खाना बनाने की पढ़ाई होती है। बच्चा राय के कॉलेज की इस प्रोडिकल गर्ल के उक्त इंटरव्यू के बाद विवाद बढ़ता गया और सरकार ने जांच समिति गठित कर दी। इसके बाद घोटाले की परतें उघड़ती चली गईं। इस टॉपर घोटाला में बच्चा राय की प्रमुख भूमिका बताई गई थी। उसके बाद बच्चा राय को पुलिस ने गिरफ्तार किया था फिलहाल बच्चा राय जमानत पर बाहर हैं।

सुवेंदु को क्या मां काली ने डायरेक्ट फेस टाइम पर कॉल किया था : मनोज झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कैश फॉर क्वेरी यानी संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्या रद्द कर दी गई है। इसे लेकर अब सियासत तेज हो गई है। जहां विपक्षी दल के नेता सरकार पर तानाशाही के आरोप लगा रहे हैं। वहीं सत्ता पक्ष यानी मोदी सरकार की तरफ से लगातार हमले किए जा रहे हैं। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने महुआ मोइत्रा को लेकर बयान देते हुए कहा कि महुआ मोइत्रा ने मां काली को लेकर कई बार विवादित बयान दिए थे।

उन्होंने मां काली पर मांस खाने, सिगरेट पीने, व्हिस्की पीने की बात कही थी। उसी का नतीजा है कि मां काली ने उन्हें अभिशाप दिया है। उन्होंने कहा कि महुआ मोइत्रा ने विदेशी लोगों से अपना पासवर्ड साझा किया था। सीबीआई से इसकी जांच होनी चाहिए। महुआ मोइत्रा का बचाव करते हुए मनोज झा ने कहा कि आज जो यह फैसला लोकसभा स्पीकर ने जो फैसला लिया है, जाहिर है कि यह अडानी के शीर्ष नेतृत्व की मदद से लिया है। इस समय सबसे दुर्भाग्यपूर्ण फैसले में से एक है। मनोज झा ने कहा कि एक व्यक्ति जिनका संबंध बड़े उद्योगपति से है, उन्हें ढकने की कोशिश की जा रही है।

एनआईए ने कर्नाटक और महाराष्ट्र में 40 से ज्यादा जगहों पर डाली रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार (9 दिसंबर) सुबह से ही कर्नाटक और महाराष्ट्र में लगभग 44 लोकेशन पर छापेमारी कर रही है। ये छापेमारी वैश्विक आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के जरिए देशभर में आतंकी हमला करने की साजिश से जुड़े एक मामले में हो रही है।

शनिवार सुबह से जिन 44 जगहों पर एनआईए की छापेमारी चल रही है। उसमें से कर्नाटक में एक जगह पर छापेमारी हुई है. वहीं, एनआईए के अधिकारियों ने पुणे में 2, थाणे ग्रामीण में 31, थाणे सिटी में 9 और भयांदर में एक जगह रेड की है। एनआईए भारत में आतंक और हिंसा फैलाने की आतंकवादी संगठन की योजनाओं को विफल करने के लिए व्यापक जांच कर रही है। पहले भी इस तरह की छापेमारी की गई है, जिसमें कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, एनआईए के अधिकारियों की अभी छापेमारी चल रही है। ऐसे में इस बात की भी उम्मीद जताई जा रही है कि अगर अधिकारियों को कोई लीड या सबूत मिलता है, तो अन्य जगहों पर भी छापेमारी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो छापेमारी वाली लोकेशन की संख्या बढ़ जाएगी। एनआईए की तरफ से जिस मामले में कार्रवाई हो रही है, वो इस्लामिक स्टेट से जुड़ा हुआ है. इस्लामिक स्टेट के कुछ आतंकी अभी भी एक्टिव हैं, जिनके भारत में भी होने की संभावना है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वितीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन हीं होंगे।